|  |  |
| --- | --- |
|  | ***जन आंदोलनों का राष्ट्रीय समन्वय (NAPM)***  **संकल्प: जन आज़ादी 75: आज़ादी की राह पर..**  **(9 अगस्त, 2021 से 15 अगस्त 2022)** |

हम भारत के लोग,

‘आजादी’ के 75 साल के इस अवसर पर,

आजादी आंदोलन के विभिन्न संघर्ष-निर्माण की धाराओं से,

और उसके बाद बनी संविधान के मूल्यों से,

प्रेरणा और ताकत लेते हुए,

आज के चुनौती पूर्ण दौर में,

सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर

न्यायपूर्ण बदलाव के लिए.. और फासीवादी - दमनकारी – मनुवादी

पितृसत्तात्मक - विभाजनकारी और धर्मांध कट्टरवादी ताकतों के खिलाफ,

हमारे संघर्ष मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है।

इन 75 सालों में,

इस देश के जन आंदोलनों ने

इस देश को लगातार बनाया और बचाया

विपरीत राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों और दमन के बादजूद

जन संगठनों और संघर्षों के हस्तक्षेप से,

हम कई सारे सकारात्मक बदलाव ला पाए,

समाज के कई तपकों को उनका आत्म-समान और अधिकार हासिल् हुआ,

और हर स्तर पर सबके अधिकारों और आज़ादी को पाने के लिए,

संघर्षों को लगातार जारी रखा है..

आज, जब हर प्रकार की आज़ादी और अधिकार दांव पर लगी है,

शिक्षा – स्वास्थ्य – रोजगार – खेती – पर्यावरण पर संकट के साथ,

संस्थागत और सामाजिक न्याय दुर्लभ होती जा रही है और

अल्पसंख्यकों से लेकर, समाज के सभी शोषित वर्गों और

प्रगतिशील विचारधारों और कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं ..

तब हम मानते है कि, इस देश के जन आंदोलन और

इस देश के श्रमिक – शोषित – प्रगतिशील आम जनता ही,

शाहीनबाग़ और किसानबाग़ की मशाल को आगे लेकर ..

एक नई क्रांति ला सकती है, जो वर्तमान जन-विरोधी, कॉर्पोरेट और

नफरत-भरी राजनीती को चुनौती देते हुए,

व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन में प्रेम, तर्क और न्याय की राजनीति के साथ,

एक वैकल्पिक, जनवादी राजनीती को स्थापित करेगी.. .

हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे, संवाद, संघर्ष और निर्माण के रास्ते,

देश के संसाधनों को, सांझी विरासत को, संघीय ढांचे और सामाजिक न्याय को,

बचाने और मजबूत करने के लिए ..

हमारे इतिहास की पूंजी, वर्तमान के चुनौती और भविष्य के सपनों को साथ लेके,

**लड़ेंगे, जीतेंगे ..इंकलाब ज़िन्दाबाद**